दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273009
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
फैक्स नं0 : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 06.09.2019

प्रकाशनार्थ

बी.एड. विभाग द्वारा कार्यशाला

विषय – आदर्श शिक्षक : उपचार व व्यवहार

गोरखपुर, 06 सितम्बर। शिक्षण का कार्य एक ईश्वरीय कार्य है। इसीलिए यह एक साधना है। आदर्श शिक्षक आजीवन विद्यार्थी होता है। ज्ञानार्जन के साथ ही साथ भाषा की दक्षता शिक्षक के लिए अत्यन्त ही आवश्यक है। भाषा की विपन्नता का शिकार व्यक्ति कभी अच्छा शिक्षक नही हो सकता है। शब्दों के अर्थ को जानना तथा उपयुक्त संदर्भो में इनके प्रयोग की दक्षता का विकास करना शिक्षक के व्यवसायिक विकास का एक महत्वपूर्ण आयाम है। सूचना तकनीकी के इस युग में ज्ञान के प्रसार की आय ज्ञान के प्रति छात्र की जिज्ञासा को बढ़ाना शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उक्त बाते दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तकर महाविद्यालय के बी0एड0 विभाग द्वारा आदर्श शिक्षक : उपचार व व्यवहार विषय पर आयोजित कार्यशाला को बतौर मुख्य वक्ता सम्बोधित करते हुये किसान पी0जी0 कालेज सेवरही के पूर्व प्राचार्य डॉ0 वेद प्रकाश पाण्डेय ने कही। डॉ0 पाण्डेय ने कहा कि शिक्षक के आदर्ष और व्यवहार में विचलन जब आता है तब वह छात्रों का प्रेरणास्रोत नही बन पाता है छात्र के लिए शिक्षक उसका सबसे बड़ा आदर्श होता है उस आदर्ष के अनुसार व्यवहार के लिए शिक्षक को साधक की भाँति स्वयं को तैयार करना होगा। डॉ0 पाण्डेय ने छोटे उदाहरणों के यह बताने का प्रयास कि शिक्षक कैसे इनका प्रयोग कर कक्षा में प्रभावशाली शिक्षण कर सकता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर डॉ0 पाण्डेय का स्वागत किया। आभार ज्ञापन डॉ0 राजशरण शाही ने किया। इस अवसर पर डॉ0 अरूण कुमार तिवारी, डॉ0 गीता सिंह, डॉ0 सरोज शाही, डॉ0 शुभ्रा श्रीवास्तव, डॉ0 अमरनाथ तिवारी आदि उपस्थित थे।

डॉ.(मुरली मनोहर तिवारी)
सूचना एवं जनसम्पर्क प्रभारी